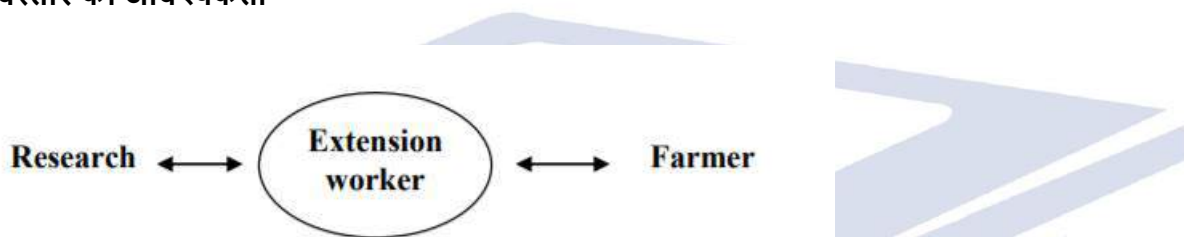


## कृषि विस्तार(Extension)

### Extension - अर्थ

'एक्सटेंशन' शब्द लैटिन जड़ों से लिया गया है, 'ex' - जिसका अर्थ है 'out' और 'tension' जिसका अर्थ है 'stretching'। बाहर खींच विस्तार का अर्थ है।

### कृषि विस्तार की आवश्यकता



शोधकर्ताओं के पास न तो समय है और न ही वे ग्रामीणों को वैज्ञानिक तरीके अपनाने और उनसे ग्रामीण समस्याओं का पता लगाने के लिए राजी करने के काम के लिए सुसज्जित हैं। इसी तरह सभी किसानों के लिए रिसर्च स्टेशनों पर जाकर फर्स्ट हैंड की जानकारी हासिल करना मुश्किल है। इस प्रकार किसानों को अनुसंधान के निष्कर्षों की व्याख्या करने और किसानों की समस्याओं को समाधान के अनुसंधान तक ले जाने के लिए एक एजेंसी की आवश्यकता है। यह गैप एक्सटेंशन एजेंसी द्वारा भरा जाता है।

### पढ़ाई

यह ज्ञान में वांछनीय परिवर्तन (ज्ञात चीजें), दृष्टिकोण (चीजें महसूस) और कौशल (किया गया काम) का उत्पादन है, या तो सभी (या) मानव व्यवहार के एक या अधिक में।

### विस्तार शिक्षा

यह एक अनुप पर सामाजिक विज्ञान है जिसमें भौतिक, जैविक और सामाजिक विज्ञान से प्राप्त प्रासंगिक सामग्री शामिल है और अपनी प्रक्रिया में ज्ञान, अवधारणाओं, सिद्धांतों और प्रक्रियाओं के एक शरीर में संश्लेषित किया जाता है जो वयस्कों के लिए मुख्य रूप से स्कूल शिक्षा से गैर-क्रेडिट प्रदान करने के लिए उन्मुख होता है।

### विस्तार सेवा

यह कृषि विकास और ग्रामीण कल्याण के लिए एक कार्यक्रम को संदर्भित करता है।

### विस्तार का दायरा

- विज्ञान को लागू कर खुद की मदद करने के लिए लोगों को उचित दृष्टिकोण के माध्यम से प्रेरित किया जाता है।
- लोगों के ज्ञान, दृष्टिकोण और कौशल में वांछनीय परिवर्तन
- एक्सटेंशन लोगों को खुद की मदद करने में मदद कर रहा है।

- उनकी महसूस की जरूरतों का जवाब देने के लिए और चाहता है।
- कर और देखने से सीखने के माध्यम से शिक्षण विश्वास है।
- लोगों की संस्कृति के अनुरूप काम करना
- एक्सटेंशन एक दो तरह का चैनल है
- लोगों के कल्याण और खुशी का विस्तार करने के लिए (समूहों में) एक साथ काम करना
- अपने दिन-प्रतिदिन के जीवन में व्यक्तियों का विकास, उनके नेताओं का विकास, उनका समाज और एक पूरे के रूप में उनकी दुनिया।

## विस्तार के प्रमुख उद्देश्य

- सामग्री- उत्पादन में वृद्धि, आय।
- शैक्षिक- लोगों के दृष्टिकोण को बदलें या व्यक्तियों का विकास करें।
- सामाजिक और सांस्कृतिक- समुदाय का विकास।

## शिक्षा के प्रकार

**क) अनौपचारिक शिक्षा** - जीवन भर की प्रक्रिया है जिसके द्वारा हर व्यक्ति दैनिक अनुभवों और घर पर पर्यावरण के संपर्क से ज्ञान, कौशल, दृष्टिकोण और अंतर्दृष्टि प्राप्त करता है, काम पर, खेल आदि पर।

**ख) गैर-औपचारिक शिक्षा** - वयस्कों और बच्चों सहित जनसंख्या में विशेष उपसमूहों को चयनित प्रकार की शिक्षा प्रदान करने के लिए औपचारिक प्रणाली के फ्रेम कार्य के बाहर की जाने वाली एक संगठित, व्यवस्थित शैक्षिक गतिविधि है। उदाहरण के लिए: प्रौढ़ शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, कार्यात्मक साक्षरता, सतत शिक्षा, विस्तार शिक्षा आदि।

**ग) औपचारिक शिक्षा** - अत्यधिक संस्थागत, कालक्रम वर्गीकृत और पदानुक्रमित रूप से संरचित है, प्राथमिक स्कूल से शुरू होने वाली शिक्षा और विश्वविद्यालय शिक्षा तक पहुंचना।

## औपचारिक शिक्षा और विस्तार शिक्षा के बीच मतभेद

S.no.	औपचारिक शिक्षा	विस्तार शिक्षा
1.	शिक्षण काफी हद तक संस्था के परिसर तक ही सीमित है	यह काफी हद तक संस्था की चार दीवारी के बाहर है।
2.	शिक्षार्थियों के साथ सजातीय आम लक्ष्य हैं	शिक्षार्थियों विविध लक्ष्यों विषम है और है
3.	एक निश्चित पाठ्यक्रम है, छात्रों की परीक्षा होती है और डिग्रियां प्रदान की जाती हैं।	कोई निश्चित पाठ्यक्रम नहीं, यह शिक्षार्थियों की जरूरतों के आधार पर लचीला है। न तो परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं और न ही कोई डिग्रियां दी जाती हैं।
4.	ज्ञान शिक्षक से शिक्षार्थियों के लिए बहती है (ऊर्ध्वाधर)	एक्सटेंशन वर्कर उन लोगों से भी सीखता है जो वह (क्षेत्रीय) पढ़ाते हैं। वह स्थानीय नेताओं के माध्यम से पढ़ाते हैं।
5.	दृष्टिकोण सिद्धांतों से समस्याओं के लिए है	दृष्टिकोण समस्या से सिद्धांतों के लिए है।



## पंचायत राज के तीन स्तर

- (1) ग्राम पंचायत
- (2) पंचायत समिति या पंचायत संघ
- (3) जिला विकास परिषद [ जिला परिषद ]

### I. ग्राम पंचायत:

- स्थानीय स्वशासन की प्राथमिक इकाई।
- पंचायत गांव के बुजुर्गों की कैबिनेट है, जो सीधे गांव के वयस्क नागरिकों द्वारा चुनी जाती है।

### 2. पंचायत समिति:

- ब्लॉक स्तर पर प्रशासन का दूसरा स्तर।
- इसमें पंचायत संघ के अध्यक्ष, क्षेत्र की सभी पंचायतों के अध्यक्ष, स्थानीय विधायक,
- एमएलसी, सांसद आदि। मतदान के अधिकार के साथ, लेकिन पद धारण करने और मनोनीत व्यक्तियों को नहीं।
- खंड विकास अधिकारी की नियुक्ति सरकार द्वारा की जाती है। वह ब्लॉक के नेता के रूप में कार्य करता है।

### 3. जिला विकास परिषद [जिला परिषद]:

- जिला स्तर पर कार्य करना।
- इसमें प्रखंडों के बजट और संयंत्र को मंजूरी दी गई है।
- यह ब्लॉकों के धन को आवंटित करता है।

LEARNIZY